सहायता देना

31. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह--स्थानीय हिन्दी दैनिक दिनांक 31 जनवरी, 2011 को प्रकाशित शीर्षक "60 फीसदी परिवार गरीबी रेखा से नीचे" को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में 60 फीसदी जनता गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर कर रही है;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार द्वारा जारी संशोधित बी०पी०एल० सूची के अनुसार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 57.63 फीसदी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर कर रहे हैं तथा किशनगंज जिले में 79.08 फीसदी बी०पी०एल० के दायरे में आते हैं;

(3) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2007 में बी०पी०एल० परिवारों की संख्या 1, 13, 40, 990 थी जबकि वर्ष 2009 में संशोधित बी०पी०एल० परिवारों की संख्या 1, 26, 61,632 हो गई है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य में बढ़ती बी०पी०एल० परिवारों के सहायतार्थ कबतक आवश्यक कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

लक्ष्य पूरा करना

32. श्री आलोक रंजन--क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में नाबार्ड ऋण से 1320 नलकूप योजनाओं को पूर्ण किया गया है, परन्तु कुल लक्ष्य 2765 नलकूप गाड़ने का है, यदि हां, तो लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कारगर कदम उठाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अधिकारियों पर कार्रवाई

33. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह--स्थानीय हिन्दी दैनिक दिनांक 19 जनवरी, 2011 को प्रकाशित शीर्षक "दो वर्ष बाद भी नहीं बने कुक्कुट प्रक्षेत्र" को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, भवन निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के बी०पी०एल० और ए०पी०एल० परिवारों के विकास हेतु कुक्कुट प्रक्षेत्र के भवन निर्माण हेतु क्रमशः पटना के लिए 150 लाख, भागलपुर 62.11 लाख, मुजफ्फरपुर 261.40 लाख, पूर्णिया 98.10 लाख एवं किशनगंज के लिए 50.28 लाख रुपया पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग द्वारा भवन निर्माण विभाग को भवन बनाने एवं एक साल के अंदर भवन बनाकर सुपुर्द करने हेतु वर्ष 2008 में राशि आवंटित की गई थी;

(2) क्या यह बात सही है कि तीन वर्ष बीतने के बाद भी कुक्कुट प्रक्षेत्र भवन पशु एवं मत्स्य विभाग को सुपुर्द नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त भवन सुपुर्दगी करने में विलंब के लिए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

योजना प्रारम्भ करना

34. श्री ई० अजीत कुमार--क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि उत्तर बिहार क्रमशः पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर व वैशाली जिलों का 15 हजार हेक्टेयर सिंचित जमीन जल-जमाव के कारण बेकार बनी हुई है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सिंचित भूमि से जल निकासी करने हेतु सरकार द्वारा 374.35 लाख रुपये की लागत से वर्ष 2006 में योजना बनायी गयी थी, जिसे 13 मई, 2008 तक पूरा करना था, जिसका कार्य आजतक प्रारम्भ नहीं किया जा सका है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त योजना का कार्य प्रारम्भ कराने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 09 मार्च, 2011 (ई०)।

गिरीश झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि०स०मु० (एल०ए०), 134--डी०टी०पी०--450